RNTU
Rabindranath
TAGORE UNIVERSITY™

विश्व रंग फाउंडेशन भारत
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो
SWAMI VIVEKANANDA CULTURAL CENTRE
High Commission of India, Colombo

विश्व रंग श्रीलंका 2025

29-30 सितम्बर 2025, कोलम्बो, श्रीलंका

आयोजक

विश्व रंग फाउंडेशन (भारत), रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (भारत)
एवं स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो (श्रीलंका)

www.vishwarang.com | Follows us on

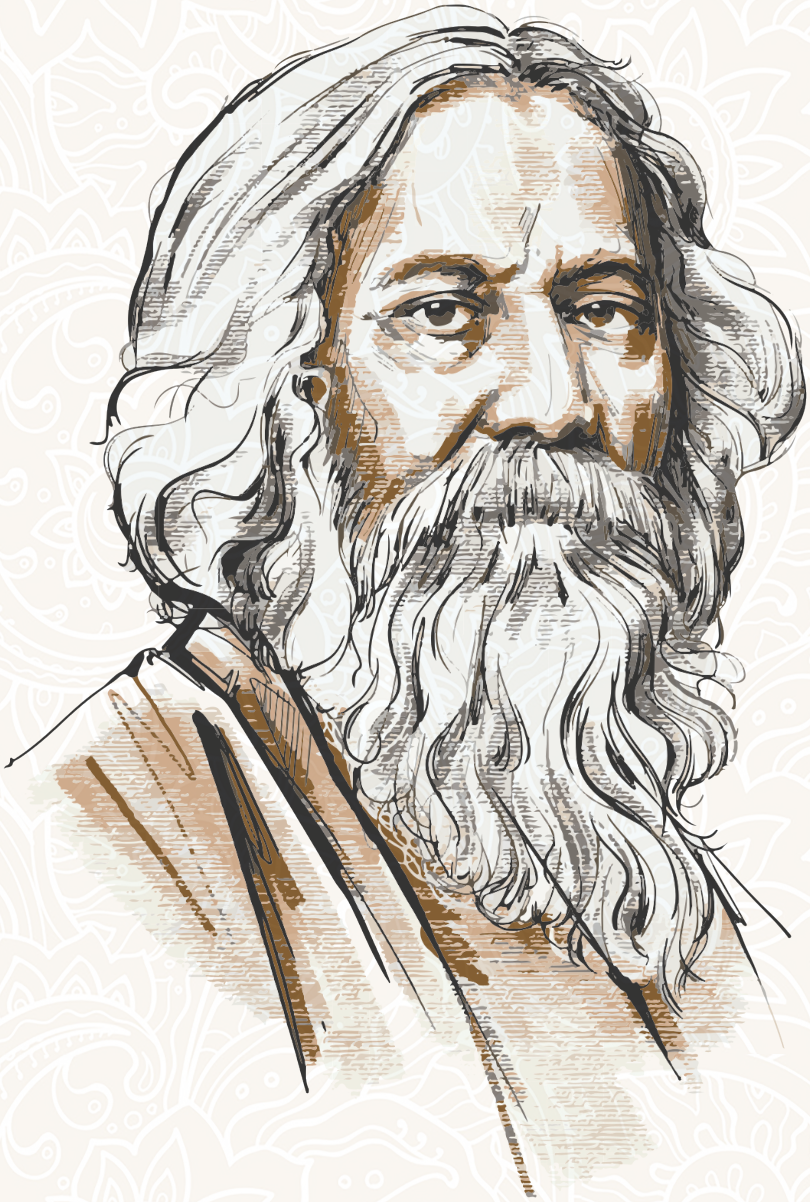

Where the mind is without fear and the head is held high
Where knowledge is free
Where the world has not been broken up into fragments
By narrow domestic walls
Where words come out from the depth of truth
Where tireless striving stretches its arms towards perfection
Where the clear stream of reason has not lost its way
Into the dreary desert sand of dead habit
Where the mind is led forward by thee
Into ever-widening thought and action
Into that heaven of freedom, my Father, let my country awake.

-Rabindranath Tagore

विश्व रंग फाउंडेशन भारत

भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

आयोजक

विश्व रंग फाउंडेशन (भारत), रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (भारत)
एवं स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय आयोग, कोलंबो (श्रीलंका)

7 से 9 अगस्त, 2024, के बीच रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय,भोपाल (भारत) एवं विश्व हिंदी सचिवालय (मॉरीशस) द्वारा आयोजित साहित्य, संस्कृति और कलाओं की सृजनशील दुनिया को अपने समय में देखने–परखने और उसके प्रति रुचि, जिज्ञासा और उत्साह का नया परिवेश रचने की उत्सवी आकांक्षा है–'' विश्वरंग''। उन सरोकारों से जुड़ने की मंशा, जो अभिव्यक्ति के विभिन्न माध्यमों में मानवीय जीवन और जगत का बहुरंगी फलक रचते रहे हैं। इसी जमीन पर अफसानों, बहस–मुबाहिसों तथा अदब और तहजीब की रंगो–महक के बेमिसाल सिलसिलों का एक दिलचस्प मंजर रौशन हो रहा है। ''विश्वरंग'' का ताना–बाना 7 से 9 अगस्त 2024 में मॉरीशस में सजेगा।

यह हिंदी भाषा, साहित्य और कलाओं के बीच वैचारिक संवाद तथा सांस्कृतिक आपसदारी का विराट समागम होगा। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल की पहल पर विश्वरंग सचिवालय, भारत और विश्व हिंदी सचिवालय, (मॉरीशस) के मुख्य संयोजन में परिकल्पित इस अंतर्राष्ट्रीय भाषा, साहित्य तथा कला महोत्सव में भारत सहित दुनिया के पचास देशों के तीन सौ से भी अधिक प्रतिनिधि–हस्ताक्षर शिरकत करेंगे। लगभग चालीस सत्रों के आसपास संयोजित यह विश्व कुंभ भाषा, साहित्य, संस्कृति, शिक्षा, सिनेमा, पत्रकारिता, पर्यावरण सहित अनेक विषयों का अनूठा मंच होगा। `विश्वरंग'' की गतिविधियाँ विश्व हिंदी सचिवालय (मॉरीशस), महात्मा गाँधी संस्थान (मॉरीशस), रबीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान (मॉरीशस) के परिसरों में होंगी। भारत के किसी भी शैक्षणिक संस्थान की पहल पर होने वाला यह पहला विश्व स्तरीय भाषा, साहित्य–कला महोत्सव है। जो विदेशी धरती पर आयोजित किया जा रहा है। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय इस दृष्टि से एक कीर्तिमान रच रहा है।

विश्व रंग सचिवालय

''विश्व रंग'' की समस्त रचनात्मक गतिविधियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समेकित करने के लिए विश्व रंग सचिवालय की स्थापना रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय परिसर में की गई है। यह सचिवालय विश्व रंग की समस्त गतिविधियों को संपादित कर रहा है। विश्व रंग सचिवालय द्वारा वैश्विक स्तर पर वर्चुअल प्लेटफार्म पर विभिन्न देशों में रचनात्मक गतिविधियों का संचालन अनवरत जारी है। प्रवासी भारतीय रचनाकारों की रचनाओं को समाहित कर देशवार पुस्तकों का प्रकाशन कार्य भी किया गया है। विश्व रंग के अंतर्गत स्थापित उत्कृष्ट केन्द्रों की गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण और पुस्तिकाओं का संपादन–प्रकाशन का कार्य भी विश्व रंग सचिवालय द्वारा किया गया है।

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY™

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (भारत)

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के निकट रायसेन जिले में 2010 में स्थापित देश का पहला कौशल संवर्धन विश्वविद्यालय है। यह विश्वविद्यालय देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अग्रणी आईसेक्ट ग्रुप का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित उपक्रम है।

नोबल पुरस्कार से सम्मानित गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर के नाम से स्थापित यह विश्वविद्यालय सॉफ्ट स्किल, व्यक्तित्व विकास, उद्यमशीलता, लिबरल एवं परफॉर्मिंग आर्ट के साथ–साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों पर समान रूप से ध्यान केन्द्रित करते हुये अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास में विश्वास रखता है।

शैक्षणिक और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी होने के अलावा विश्वविद्यालय ने कला, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में जागरूकता, अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अनेक प्रयास किये हैं। विश्वविद्यालय भारत के प्रसिद्ध सामाजिक उद्यमी, श्री संतोष चौबे द्वारा परिकल्पित है। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय ने साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन तथा इन क्षेत्रों में देश व राज्यों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देने के लिये टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिन्दी केंद्र टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केन्द्र, भाषा शिक्षण केन्द्र, बहुभाषा अनुवाद केन्द्र, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र, संस्कृत प्राच्य भाषा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र, वनमाली सृजन पीठ, टैगोर लोक कला एवं संस्कृति केन्द्र एवं टैगोर कला केन्द्र की स्थापना भी की है।

आईसेक्ट के पास कौशल विकास व रोजगार प्रदान करने का 40 वर्षों का बेजोड़ अनुभव है। समूह अपने छात्रों को उद्यमिता विकास में विशेषज्ञता और औधोगिक क्षेत्रों में संबंध के माध्यम से जीवन निर्माण का व्यापक अवसर प्रदान करता है और कला–संस्कृति के माध्यम से व्यापक विश्व से जुड़ने का अवसर भी देता है।

विश्वरंग फाउंडेशन, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भारत), स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो, श्रीलंका तथा सहयोगी संस्थान एवं अन्य आईसेक्ट विश्वविद्यालयों द्वारा मिलकर टैगोर अंतर्राष्ट्रीय भाषा, साहित्य एवं कला महोत्सव "विश्वरंग 2025" का आयोजन किया जा रहा है।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो
SWAMI VIVEKANANDA CULTURAL CENTRE
High Commission of India, Colombo

विश्व रंग श्रीलंका 2025

विश्व रंग 2025, श्रीलंका एक दो दिवसीय भव्य सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम था, जो 29–30 सितंबर 2025 को रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, विश्व रंग फाउंडेशन, भोपाल, भारत और स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो, श्रीलंका के संयुक्त आयोजन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच सांस्कृतिक समन्वय, भाषाओं और साहित्यिक आदान-प्रदान, तथा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की शिक्षा और प्रचार को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम का पहला दिन शोभायात्रा और दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री संतोष झा, भारतीय उच्चायुक्त, कोलंबो और विशिष्ट अतिथियों में श्री हिनिदुम सुनिल सेनेवि, श्रीलंका के बुद्ध, शासन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री, तथा श्री पवन वर्मा, पूर्व महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र का संचालन और स्वागत वक्तव्य क्रमशः विश्व रंग फाउंडेशन और स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशकों द्वारा किया गया।

सत्रों में सांस्कृतिक समन्वय, दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की भाषाओं और भाषिक तत्वों की समानता, भारतीय भाषाओं का क्षेत्रीय परिदृश्य, तथा विदेशी भाषा व तृतीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षा की समस्याएँ और उनके समाधान पर व्यापक चर्चाएँ हुईं। समानांतर सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों ने विचार-विमर्श किया और छात्रों के लिए विशेष संगम सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, नृत्य और संगीत प्रदर्शन, काव्यपाठ, व्याख्यान-प्रदर्शन, कार्यशालाएँ, प्रदर्शनियाँ और ऑनलाइन शिक्षण व रोजगार के अवसरों पर चर्चाएँ भी शामिल थीं। भारत और श्रीलंका के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बनाया। छात्र संगम और व्याख्यानों के माध्यम से छात्रों और शोधकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए।

दूसरे दिन कार्यक्रम में मंगलाचरण, साहित्यिक आदान-प्रदान, हिंदी और भारतीय भाषाओं के क्षेत्रीय प्रसार, तुलनात्मक लोकसाहित्य अध्ययन, ऑनलाइन शिक्षण की संभावनाएँ और रोजगार के अवसरों पर सत्र आयोजित किए गए। दिन का समापन दक्षिण एशियाई देशों के काव्यपाठ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ।

इस प्रकार, विश्व रंग 2025 ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच सांस्कृतिक संवाद, भाषाई और साहित्यिक आदान-प्रदान को सशक्त रूप से बढ़ावा दिया और क्षेत्रीय सहयोग तथा साझा सांस्कृतिक विरासत को मजबूती प्रदान की। कार्यक्रम ने छात्रों, विद्वानों और कलाकारों को मंच, संवाद और अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया, जिससे क्षेत्र में भारतीय संस्कृति और भाषा का प्रभाव और पहुँच और अधिक विस्तारित हुई।

विश्व रंग फाउंडेशन भारत

भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

विश्व रंग फ़ाउंडेशन

विश्व रंग फ़ाउंडेशन एक अग्रणी संस्था है, जो भारतीय संस्कृति, साहित्य, कला और भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को न केवल देश के कोने-कोने तक पहुँचाना है, बल्कि इसे विश्व के दूरस्थ हिस्सों तक ले जाकर वैश्विक समुदाय को भारतीय परंपराओं की सुंदरता, विविधता और गहनता से परिचित कराना भी है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए फ़ाउंडेशन ने कई विशिष्ट केंद्र और पहलें विकसित की हैं, जिनका उद्देश्य भाषा शिक्षा और संवाद को सशक्त करना, लोक परंपराओं का संरक्षण करना, प्रवासी भारतीय समुदाय से जुड़ाव बढ़ाना, युवाओं को रंगमंच और दृश्य कलाओं से सशक्त करना, विशेष रूप से विकलांग कलाकारों को मंच प्रदान करना, बहुभाषी अनुवाद और ज्ञान-विनिमय को बढ़ावा देना, भारत की शाश्वत परंपराओं का संरक्षण करना, डिजिटल कौशल व रोज़गार-अवसरों का विस्तार करना तथा ग्रामीण-सामुदायिक साहित्यिक पहलों को गति देना है।

इन सभी प्रयासों के माध्यम से विश्व रंग फ़ाउंडेशन भारतीय कला और साहित्य को वैश्विक मंच पर सार्थक रूप से प्रस्तुत कर रहा है। साथ ही, यह संस्था युवाओं, वंचित समुदायों और ग्रामीण जन-समुदायों को सशक्त बनाते हुए भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करती है तथा समावेशिता और वैश्विक संवाद को प्रोत्साहित करती है।

इन केंद्रों और उनकी विशेषताओं के माध्यम से फ़ाउंडेशन ने भारतीय संस्कृति को न केवल वैश्विक स्तर पर नई पहचान दी है, बल्कि उसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की दिशा में भी सार्थक पहल की "इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, विश्वरंग फाउंडेशन में निम्नलिखित कला और संस्कृति केंद्रों को सम्मिलित किया गया है।"

Vishwarang Foundation

The Vishwarang Foundation is a leading organization committed to the preservation, promotion, and global dissemination of Indian culture, literature, arts, and languages. Its mission is to take India's rich cultural heritage not only across the nation but also to the farthest corners of the world, enabling the global community to experience the beauty, diversity, and depth of Indian traditions.

To achieve this vision, the Foundation has developed several specialized centers and initiatives aimed at strengthening language education and communication, preserving folk traditions, engaging with the Indian diaspora, empowering youth through theater and visual arts, providing a platform for specially-abled artists, advancing multilingual translation and knowledge exchange, safeguarding India's timeless wisdom, enhancing digital skills and employability, and driving rural and community-based literary initiatives.

Through these efforts, the Vishwarang Foundation brings Indian art and literature to the global stage in a meaningful way. At the same time, it empowers youth, marginalized communities, and rural populations, while strengthening India's cultural identity and promoting inclusivity and global dialogue.

Through these centers and their unique features, the Foundation has not only given Indian culture a new global identity but also paved the way for it to reach new heights.

"Keeping this perspective in mind, the following Arts and Culture Centres have been incorporated under the Vishwarang Foundation."

Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो

SWAMI VIVEKANANDA CULTURAL CENTRE

High Commission of India, Colombo

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (पूर्व में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र) की स्थापना वर्ष 1998 में कोलंबो में की गई थी, जिसका उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान और संवाद के सेतु का निर्माण करना है। यह केंद्र भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) द्वारा स्थापित 24 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों में से एक है, जो भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों तथा आपसी समझ को पुनर्जीवित और सुदृढ़ करने के लिए कार्यरत हैं। इसका मुख्य लक्ष्य भारत–श्रीलंका सांस्कृतिक सहयोग को प्रोत्साहित करना, सांस्कृतिक समानताओं पर बल देना तथा भारतीय संस्कृति के विविध आयामों से श्रीलंका की जनता को परिचित कराना है।

1998 में उद्घाटन के बाद से ही यह केंद्र श्रीलंका के सांस्कृतिक परिदृश्य पर एक मज़बूत पहचान बना चुका है और अपनी बहुआयामी गतिविधियों के माध्यम से उत्कृष्टता की प्रतिष्ठा अर्जित कर चुका है। केंद्र में भरतनाट्यम, कथक, हिंदुस्तानी एवं कर्नाटक शास्त्रीय संगीत (स्वर), वायलिन, सितार, तबला, हिंदी भाषा और योग की कक्षाएँ संचालित की जाती हैं। इन कक्षाओं के संचालन हेतु केंद्र श्रीलंकाई शिक्षकों के एक प्रतिभावान और समर्पित समूह की सेवाएँ लेता है। वर्तमान में यहाँ लगभग 1500 विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित हैं, जो इसकी लोकप्रियता का प्रमाण है।

केंद्र भारतीय और श्रीलंकाई कलाकारों के प्रदर्शन, व्याख्यान, कार्यशालाओं, प्रदर्शनी आदि का भी आयोजन करता है। हाल के वर्षों में यहाँ भारत और श्रीलंका के कई प्रसिद्ध कलाकारों ने प्रदर्शन दिए हैं, जिनमें ओडिसी नृत्यांगना श्रीमती सोनल मानसिंह, चेन्नई का कलाक्षेत्र नृत्य नाटक मंडली, प्रसिद्ध गायिका श्रीमती शुभा मुद्गल और उनका दल, गीतांजलि लाल, रंगपुहार बॉलीवुड डांस एंसेंबल, तथा भरतनाट्यम कलाकार श्रीधर और अनुराधा शामिल हैं। श्रीलंका से डॉ. दयारत्न रणतुंगा एवं प्रो. अमरा रणतुंगा, श्री प्रदीप रत्नायके, श्री पियसारा शिल्पाधिपति, श्री रविबंधु विद्यापति तथा चित्तरसना डांस कंपनी की प्रमुख नृत्यांगना उपेका चित्तरसना और अन्य कलाकारों ने यहाँ अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं।

केंद्र प्रति माह 4–5 भारतीय फिल्में और वृत्तचित्र भी प्रदर्शित करता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र में एक समृद्ध पुस्तकालय और वाचनालय है जिसमें पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सीडी और डीवीडी का विशाल संग्रह उपलब्ध है। यह पुस्तकालय सोमवार से शनिवार तक जनता के लिए खुला रहता है (बुधवार को छोड़कर)। वाचनालय में भारतीय और श्रीलंकाई समाचार पत्र (सिंहला, तमिल और अंग्रेज़ी), साथ ही भारतीय पत्रिकाएँ और जर्नल्स (अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम) उपलब्ध हैं।

Swami Vivekananda Cultural Centre, Colombo

The Swami Vivekananda Cultural Centre (formerly the Indian Cultural Centre) was established in Colombo in 1998 with the aim of building bridges of cultural exchange and interaction between India and Sri Lanka. The Centre is one of the 24 Indian Cultural Centres set up by the Indian Council for Cultural Relations (ICCR) to revive and strengthen cultural relations and mutual understanding between India and other countries. Its primary objective is to promote India–Sri Lanka cultural cooperation, highlight shared cultural traditions, and create awareness of Indian culture in all its dimensions among the people of Sri Lanka.

Since its inauguration in 1998, the Centre has established a strong presence in Sri Lanka's cultural landscape and earned a reputation for excellence through its wide-ranging activities. The Centre offers classes in Bharatanatyam, Kathak, Hindustani and Carnatic vocal music, Violin, Sitar, Tabla, Hindi, and Yoga. For these classes, the Centre engages a talented and dedicated group of Sri Lankan instructors. Today, nearly 1,500 students are enrolled in its various programs, reflecting the Centre's popularity.

The Centre is also active in organizing performances by Indian and Sri Lankan artists, lectures, workshops, and exhibitions. In recent years, it has hosted renowned Indian performers such as Odissi exponent Smt. Sonal Mansingh, Kalakshetra Dance Drama Troupe from Chennai, acclaimed vocalist Smt. Shubha Mudgal and her troupe, Geetanjali Lal, Rangpuhar Bollywood Dance Ensemble, and Bharatanatyam dancers Shridhar and Anuradha. Sri Lankan artists who have performed at the Centre include Dr. Dayaratna Ranatunga, Prof. Amara Ranatunga, Mr. Pradeep Ratnayake, Mr. Piyasara Shilpadhipathi, Mr. Ravibandhu Vidyapathi, and Kandyan dancer Ms. Upeka Chitrasena from the Chitrasena Dance Company, among others.

Additionally, the Centre screens 4–5 Indian films and documentaries each month. It also maintains a well-equipped library and reading room with a large collection of books, newspapers, periodicals, CDs, and DVDs. The library is open to the public from Monday to Saturday (except Wednesdays). The reading room includes Indian and Sri Lankan newspapers (Sinhala, Tamil, and English) as well as Indian magazines and

टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र, भोपाल, (भारत)

विश्व रंग 2023 में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में ''टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र'' की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन पूर्व शिक्षा मंत्री एवं सांसद श्री रमेश पोखरियाल, डॉ. माधुरी रामधारी महासचिव, विश्व हिंदी सचिवालय,मॉरीशस,शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ,सचिव श्री अतुल कोठरी एवं कुलाधिपति रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय श्री संतोष चौबे द्वारा किया गया। यह केन्द्र विश्व भर में हिंदी शिक्षण के विस्तार के लिए व्यापक नेटवर्क तैयार करने और हिंदी के पठन–पाठन के कार्य को संपादित करने का कार्य कर रहा है। इसके लिए मानकीकृत पाठ्यक्रम एवं टेस्ट प्रक्रियाओं की शुरूआत करने हेतु सामग्री निर्माण का कार्य भी किया जा रहा है। लगभग 50 देशों में टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र में ईकाईयों की स्थापना की जा चुकी है।

विश्व रंग 2019 के आयोजन के बाद से ही इस बात की जरूरत महसूस की जा रही थी कि उससे पैदा हुई ऊर्जा और संभावनाओं को ठोस स्वरूप दिया जाये तथा विश्वविद्यालय के स्तर पर एक ऐसी संरचना स्थापित की जाये जो विश्व रंग के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने तथा सतत रखने में सहायक सिद्ध हो सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी इस संदर्भ में हमारी दृष्टि को समृद्ध किया।

इसी को ध्यान में रखते हुए टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र में निम्नलिखित सभी कला और संस्कृति केंद्रों को समाहित किया गया है जो विश्व रंग 2019 के बाद अस्तित्व में आये हैं।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित देश के एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के रूप में ख्याति अर्जित कर रहा है, जो किसी निजी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया जा रहा है।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाट्य निर्देशकों, रंग निर्देशकों को आमंत्रित किया जाता है। रंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा अभिनित और तैयार किए गए नाटकों का प्रदर्शन राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहा गया है।

प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र

यह केन्द्र प्रवासी भारतीय साहित्यकारों को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उनके साथ संगोष्ठियों के माध्यम से समन्वय स्थापित कर उनकी पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है।

भाषा शिक्षण केंद्र

यह वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा शिक्षण के क्षेत्र में काम कर रही संस्थाओं तथा विश्वविद्यालयों से समन्वय स्थापित कर कार्य कर रहा है। तकनीकी टूल्स के उपयोग और प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रहा है तथा विश्वविद्यालय में भी प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। यह हिंदी तथा अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण कार्य ऑनलाइन माध्यम से कर रहा है।

बहुभाषा अनुवाद केंद्र

विश्वविद्यालय में स्थापित बहुभाषा अनुवाद केंद्र है जो अनुवादकों का नेटवर्क बनाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। भारतीय भाषाओं के

अंतरराष्ट्रीय हिन्दी केन्द्र का उद्घाटन

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा अभिनित नाटक का प्रदर्शन

टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र

टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र ने अध्ययन, शोध और प्रदर्शनकारी गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय में अध्यनरत छात्र–छात्राओं तथा विभिन्न विधाओं के अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सर्जकों और विशेषज्ञों के बीच नवोन्मेषी रचनात्मक परिवेश तैयार किया है।

इस केंद्र के द्वारा सांस्कृतिक पत्रिका ''रंग संवाद'' का प्रकाशन किया जाता है, जिसकी पठनीयता भारत सहित अनेक देशों में है। रंग संवाद को दुष्यंत कुमार पांडुलिपि संग्रहालय के ''आचार्य विद्या निवास मिश्र सम्मान'' तथा राष्ट्रीय हिंदी अकादमी की ''रूपाम्बरा राजभाषा शील्ड'' सहित ''फेडरेशन ऑफ पब्लिकेशन दिल्ली'' ने उत्कृष्ट प्रकाशन हेतु पुरस्कार प्रदान किया है।

संस्कृत, प्राच्य भाषा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र

संस्कृत तथा प्राच्य भाषाओं में दुनिया में नई तरह की अभिरुचि उत्पन्न हुई है और नई शिक्षा नीति इस पर बहुत जोर भी देती है। भारतीय वांग्मय पर केंद्रित इस प्रयास को आगे बढ़ाने का काम यह केंद्र सक्रियता से कर रहा है।

इस केन्द्र के द्वारा संस्कृत साहित्य में स्नातक, संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर, एम. ए. परफॉर्मिंग आर्ट (ड्रामा), संस्कृत साहित्य, दर्शन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में पीएच.डी., ऑनलाइन एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा – नाट्यशास्त्र एवं विश्व रंगमंच, पुरोहित कर्मकांड, त्रैमासिक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम संस्कृत संभाषण का संचालन सफलता पूर्वक किया जा रहा है।

इसके साथ ही इस केंद्र के द्वारा पांडुलिपि संसाधन परियोजना के अंतर्गत दुर्लभ पांडुलिपियों का संरक्षण एवं संग्रहण भी किया जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में पांडुलिपि संग्रहालय का निर्माण भी किया गया है।

वनमाली सृजन पीठ

वनमाली सृजन पीठ पहले से ही कार्यरत है एवं वह प्रकाशन के कार्य को भी सहयोग प्रदान कर रही है। देश में सात वनमाली सृजन पीठ सहित देश के विभिन्न राज्यों में 150 से अधिक केंद्र तृणमूल स्तर पर उपस्थित हैं। विदेशों में भी पीठ के केंद्रों की स्थापना की जा रही है। वनमाली सृजन पीठ द्वारा राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित ''राष्ट्रीय वनमाली सम्मान'' का आयोजन विगत तीस वर्षों से किया जा रहा है।

टैगोर लोक भाषा एवं संस्कृति केंद्र

लोक कला एवं लोक संस्कृति को बढ़ावा देना तथा बोलियों एवं हिंदी भाषा के बीच सेतु का काम करना इस केंद्र का काम है। यह निमाड़ी, मालवी, बुंदेलखंडी, छत्तीसगढ़ी, बघेली जैसी विकसित बोलियों के साथ–साथ आदिवासी बोलियों जैसे गोंडी, हलवी, भीली आदि से भी अंतर्क्रिया करने का काम कर रहा है। हमारे लोक अंचल के पारंपरिक लोकगीत, लोकनृत्य, लोक चित्रकारी, लोकपरंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए यह केंद्र पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

टैगोर कला केंद्र

विश्वविद्यालय में टैगोर कला केंद्र की स्थापना की गई है। इसके माध्यम से देश भर में चित्रकारों, कलाकारों, मूर्तिकारों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। चित्रकला के राष्ट्रीय शिविरों का आयोजन कर देश के वरिष्ठ एवं युवा चित्रकारों को सार्थक मंच प्रदान किया जा रहा है। युवा विद्यार्थियों के लिए विश्व रंग के अंतर्गत वृहद स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन चित्रकला प्रतियोगिताओं में हजारों युवा कलाकारों द्वारा भागीदारी की जाती है।

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL
विश्व रंग
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

विश्वरंग 2025, श्रीलंका, 29-30 सितंबर

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय-भारत, विश्व रंग फाउंडेशन, भोपाल-भारत एवं स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केन्द्र, भारतीय उच्चायोग-कोलंबो, श्रीलंका द्वारा आयोजित

29 सितंबर 2025, सोमवार

9.30 – 10.30	शोभायात्रा, दीप प्रज्वलन		
10.30 – 11.30	**सत्र-1 उद्घाटन - मुख्य अतिथि :** संतोष झा, भारतीय उच्चायुक्त भारतीय दूतावास, श्रीलंका **विशिष्ट अतिथि** - श्री हिनिदुम सुनिल सेनेवि, बुद्ध शासन, धार्मिक सांस्कृतिक कार्य मंत्री, श्रीलंका, श्री पवन वर्मा, सुप्रसिद्ध लेखक, राजनयिक एवं पूर्व राज्य सभा सदस्य अध्यक्षता : संतोष चौबे, निदेशक, विश्वरंग, **स्वागत वक्तव्य** - श्री अंकुरन दत्ता, निदेशक – स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, (श्रीलंका), डॉ. अदिति चतुर्वेदी, निदेशक – विश्वरंग फाउंडेशन, संचालन : विनय उपाध्याय		
11.30 – 12.30	**सत्र-2 उद्घाटन वक्तव्य** - श्री पवन वर्मा, सुप्रसिद्ध लेखक राजनयिक एवं पूर्व राज्य सभा सदस्य विषय: दक्षिण एशियाई एवं दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का सांस्कृतिक एकता का आधार - व्याख्यान एवं श्री संतोष चौबे निदेशक विश्वरंग से बातचीत		
	चाय अंतराल 12.30 – 1.00		
		समानांतर सत्र	
समय	**Track-1 सभागार**	**Track-2 मीटिंग रूम (1), प्रथम तल**	**Track-3 मीटिंग रूम (2), प्रथम तल**
1.00 – 2.30	**सत्र-3 – दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में सांस्कृतिक समन्वय** – अध्यक्षता - संतोष चौबे, **वक्ता**- डॉ. बीना गांधी देओरी (श्रीलंका), डॉ. सिद्धार्थ सिंह, श्री अखलाक अहमद, डॉ. सुनील बाबूराव कुलकर्णी संचालन सुश्री अचला कारियकरवन, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, कोलंबो	**सत्र-4– दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों की भाषाओं, भाषिक तत्वों की समानता** –अध्यक्षता– प्रो. लक्ष्मण सेनेविरत्न (श्रीलंका), **वक्ता**- श्री विजय कुमार मल्होत्रा (भारत), डॉ. सरसि रणसिंह श्रीलंका, डॉ. जवाहर कर्नावट संचालन सुश्री अमानि विक्रमारच्चि, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, (श्रीलंका	छात्र संगम (1) संयोजक- सुश्री अतिला कोतलावल (श्रीलंका), प्रो. अमिताभ सक्सेना (भारत)
	भोजन 2.30 – 3.30		
3.30 – 5.00	**सत्र-5 – दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में भारतीय भाषाओं का परिदृश्य–** अध्यक्षता– डॉ. मनीन्द्रनाथ ठाकुर, **वक्ता**- सुश्री निरोषा सलवतुर (श्रीलंका) डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय, श्री राकेश पांडेय संचालन- सुश्री नधीरा शिवंति, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, कोलंबो	**सत्र-6– विदेशी भाषा व तृतीय भाषा के सन्दर्भ में दक्षिण पूर्व एशिया के हिंदी विद्यार्थियों की समस्याएँ – कारण एवं निवारण** अध्यक्षता–जितेंद्र श्रीवास्तव, **वक्ता** - प्रो. अनुषा सल्वतुर (श्रीलंका) सुश्री रिदमा निशादिनी लंसक्कार (श्रीलंका), सुनील बाबूराव कुलकर्णी श्रीमती सुनीता पाहुजा, संचालन : कांचना कारियप्पेरुम, हिंदी अध्यापक (श्रीलंका)	छात्र संगम (2) संयोजक- सुश्री अचला कारियकरवन (श्रीलंका) डॉ. संगीता जौहरी (भारत)
	चाय अंतराल 5.00 – 5.30		
5.30 - 7.00	सत्र-7 - **सांस्कृतिक कार्यक्रम** – सभागार		

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL
विश्व रंग
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

विश्वरंग 2025, श्रीलंका, 29-30 सितंबर
रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय-भारत, विश्व रंग फाउंडेशन, भोपाल-भारत एवं
स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केन्द्र, भारतीय उच्चायोग-कोलंबो, श्रीलंका द्वारा आयोजित

30 सितंबर 2025, मंगलवार

10.00- 10.30	मंगला चरण		
		10.30 – 11.30 समानांतर सत्र	
समय 10.30 – 12.00	**Track-1 सभागार** **सत्र-8 – दक्षिण एवं एशियाई देशों में हिंदी और भारतीय भाषाएँ तथा साहित्यिक आदान प्रदान की संभावनाएँ –** अध्यक्षता - प्रो. नवीन लोहनी, वक्ता - डॉ. वज़ीरा गुणसेन (श्रीलंका), श्री अखलाक अहमद, श्री विनोद तिवारी, श्री लीलाधर मंडलोई, श्री मुकेश वर्मा संचालन : सुश्री सुभाषिनी रत्नायक, केलनिया वि. वि. (श्रीलंका)	**Track-2 मीटिंग रूम (1), प्रथम तल** **सत्र-9 – हिन्दी एवं सिंहली के लोकसाहित्य की तुलनात्मक विवेचना–** अध्यक्षता– प्रो. उपुल रंजीत हेवावितानगमगे, **वक्ता**- डॉ. नीता सुभाषिनी, डॉ. अमिला दमयंति, दीप्ति अग्रवाल, के.सी. अजय कुमार, श्री जगन्नाथ संचालन : सुश्री वत्सला समरकोन, रुहुना विश्वविद्यालय	**Track-3 मीटिंग रूम (2), प्रथम तल** छात्र संगम (3) संयोजक सुश्री नधीरा शिवंति (श्रीलंका) श्री विनय उपाध्याय (भारत)
12.30 – 2.00	**सत्र-10 – ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर श्रृव्य-दृश्य सामग्री के माध्यम से हिंदी शिक्षण की संभावनाएँ –** अध्यक्षता - श्री विजय कुमार मल्होत्रा, **वक्ता** - प्रो. संगीत रत्नायक (श्रीलंका), प्रो. अमिताभ सक्सेना, रवींद्र कात्यायन (भारत), संचालन : वारुणी उत्पला, गुरुकुल हिन्दी निकेतन (श्रीलंका)	**सत्र-11 – विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी में रोजगार की संभावनाएँ** अध्यक्षता - डॉ. विजय सिंह, **वक्ता**- श्रीमती अतिला कोतलावल (श्रीलंका), सुश्री रीता कुमार, श्री पुनीत मिश्र, श्री अरविन्द चतुर्वेदी संचालन : नोशिका यसंति, भारतीय दूतावास, कोलंबो	छात्र संगम (4) संयोजक सुश्री अमानी विक्रमारच्चि विकास अवस्थी
		भोजन अंतराल 2.00 – 3.30	
3.00 से 5.00	**काव्य पाठ एवं समापन**		

सत्र-12 – दक्षिण एनशयाई देशों का काव्यपाठ – श्री संतोष चौबे, श्री लीलाधर मंडलोई, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, श्री बलराम गुमास्ता, सुश्री नीलेश रघुवंशी, श्री सुमन पोखरेल (नेपाल), श्री संजय सिंह राठौर, प्रो. उपुल रंजीत हेवावितानगमगे , प्रो. संगीत रत्नायक, डॉ. वजिरा गुणसेन , श्रीमती अतिला कोतलावल (श्रीलंका)
स्वागत – सुश्री ज्योति रघुवंशी, संचालन – श्री कुणाल सिंह

आयोजक

RNTU
Rabindranath TAGORE UNIVERSITY™

विश्व रंग फाउंडेशन भारत
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्
स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो
SWAMI VIVEKANANDA CULTURAL CENTRE
High Commission of India, Colombo

सहयोग

SCOPE GLOBAL SKILLS UNIVERSITY
CENTRAL INDIA'S 1st SKILLS UNIVERSITY

CVRU DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Chhattisgarh | Madhya Pradesh | Bihar AN AISECT GROUP UNIVERSITY

AISECT UNIVERSITY™
JHARKHAND, HAZARIBAG AN AISECT GROUP UNIVERSITY

AISECT™
Education. Empowerment. Enterprise.

SCOPE GROUP OF INSTITUTIONS | वनमाली सृजन पीठ साहित्य, संस्कृति एवं सृजन के लिये • भोपाल • खण्डवा • बिलासपुर • दिल्ली • हजारीबाग • वैशाली • लखनऊ | AISECT STUDIO | AISECT Publication | TAGORE NATIONAL SCHOOL OF DRAMA

Brainy Bear™ Pre-School & Activity Club Let's make learning fun | eduvantage | Get.Set.Parent with PALLAVI A Guide To New Age Parenting

Vishwarang Partner Countries

भारत मॉरीशस

उज़्बेकिस्तान नीदरलैंड्स रसिया फिजी श्रीलंका कनाडा यूक्रेन त्रिनिदाद

सिंगापुर आस्ट्रेलिया यूएई स्वीडन यू.एस.ए. कजाकिस्तान गयाना स्पेन घाना

पुर्तगाल आयरलैंड कतर जापान केन्या यू.के. डेनमार्क थाइलैंड बांग्लादेश

वियतनाम चीन लक्ज़मबर्ग सूरीनाम दक्षिण अफ्रीका न्यूजीलैंड जर्मनी नेपाल बेल्जियम

इजराइल तंजानिया नार्वे क्रोएशिया मलेशिया फ्रांस स्विट्जरलैंड बल्गारिया

विश्व रंग फाउंडेशन भारत

भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY

संपर्क

विश्वरंग सचिवालय

ग्राम-मेंदुआ, पोस्ट-भोजपुर, चिकलोद रोड, बंगरसिया चौराहा के पास, जिला-रायसेन, पिन-464993, मध्यप्रदेश, (भारत),
दूरभाष: +91-755-2700400, 2700447, मो. नं. : जवाहर कर्नावट +91-7506378525, संजय सिंह +91-9425675811,
कुणाल सिंह +91 98753 70979, विकास अवस्थी +91-90095 20840

विश्वरंग राष्ट्रीय कार्यालय

चावला हाउस, दूसरी मंजिल, 19-नेहरु प्लेस, नई दिल्ली, पिन-110019 (भारत)
दूरभाष : अरविंद चतुर्वेदी +91-9811276867, ईमेल : aisectdelhi@aisect.org

www.vishwarang.com | Follow us on